DR. SUMAN LAL RAY
Assistant Professor
(Guest faculty)
Deptt. of Samkrit,
SRAP college, Bara
chakia, BRABU Muz. Pur

B.A. (Hons.) part – II
Subject – Samkrit
Paper – IV

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथमोऽङ्कः)

श्लोकों का अन्वय सहित हिन्दी-अनुवाद

श्लोक सं० – 19

इदमुपहितसूक्ष्मग्रन्थिना स्कन्धदेशे
स्तनयुगपरिणाहाच्छादिना वल्कलेन ।
वपुरभिनवमस्याः पुष्यति स्वां न शोभां
कुसुममिव पिनद्धं पाण्डुपत्रोदरेण ॥
(अभिज्ञान० 1/19)

अन्वयः

स्कन्धदेशे उपहितसूक्ष्मग्रन्थिना स्तनयुगपरिणाहाच्छादिना च वल्कलेन (पिनद्धम्) अभिनवम् इदम् अस्याः वपुः पाण्डुपत्रोदरेण पिनद्धं कुसुममिव स्वां शोभां न पुष्यति ।

अनुवाद

अंशप्रदेश पर जिसमें सूक्ष्मग्रन्थि लगी हुई है ऐसे तथा विशाल स्तन युगल के फैलाव को ढक लेने वाले इस वल्कल के वस्त्र ~~से~~ से इस बाला (शकुन्तला) की ~~शोभा~~ स्वभाव सुन्दर शोभा उसी प्रकार छिप रही है जिस प्रकार कोमल-कोमल फूलों को पुराने पत्तों से ढक देने पर उसकी शोभा दब जाती है।

———— ० ————